International Journal of Research
Special Issue for UGC Approved Journal-Hindi Papers
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 05 Issue 02
January 2018

भारतीय राष्ट्रीय खेल का गिरता स्तर :

एक विवेचना

Rajesh Kumar

Assistant Prof. in Physical Education

G.C.W. Mokhra, Rohtak, Haryana(India)

दैनिक जीवन में खेलकूद का अति विशिष्ट स्थान है। महान् दार्शनिक प्लेटो के अनुसार बालक को दण्ड की अपेक्षा खेल द्वारा नियंत्रित करना कहीं अच्छा है। खेल से स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। खेल के दौरान माँसपेशियाँ सक्रिय होती हैं तथा रक्त प्रवाह शरीर में तीव्रता से होता है। इससे शरीर स्वस्थ बना रहता है। कहावत है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। उसमें अच्छे बुरे को समझने की शक्ति विकसित होती है। खेलकूद से अन्तर्राष्ट्रीय अवबोध का निर्माण होता है। खेलकूद से समन्वय की भावना आती है और मिलजुल कर कार्य करने की प्रेरण समन्वय का आधार है।

खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। खेल–कूद से अन्तर्राष्ट्रीय अवबोध का निर्माण करते हैं। हालांकि हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है लेकिन दिन–प्रतिदिन इसका स्तर गिरता जा रहा है। इस शोध पत्र के माध्यम से शोधकर्त्ता ने राष्ट्रीय खेल के गिरते हुए स्तर की विवेचना की है तथा उसमें सुधार हेतु कुछ महत्वपूर्ण सुझाव देने का प्रयास किया है।

हॉकी :

विश्व के लोकप्रिय खेलों में से एक है। यह कई देशों यथा भारत व पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल है। इसकी शुरूआत काफी प्राचीन हैं हॉकी की शुरूआत का उल्लेख मिस्र के

एक मकबरे के एक चित्र से मिलता है। आधुनिक हॉकी खेलों का जन्मदाता इंग्लैंड को माना जाता है।

भारत में हॉकी की शुरूआत :

हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल है। भारत में हॉकी की शुरूआत का श्रेय अंग्रेजों को जाता है। सर्वप्रथम अंग्रेजों ने ही भारत में इसे आरम्भ किया। एतदर्थ सर्वप्रथम सन् 1885–86 में कलकता में हॉकी क्लब बना। इसके बाद क्रमशः हॉकी क्लबों की स्थापना बम्बई व पंजाब में हुई। सर्वप्रथम सन् 1809 ईव में भारत में बंगाल हॉकी एसोसिएशन की नींव पड़ी। सन् 1920 ई0 में कराची में सिन्ध हॉकी एसोसिएशन की स्थापना हुई। धीरे–धीरे हॉकी के प्रति भारतीय जनमानस का उत्साह बढ़ा और क्रमशः बम्बई, बिहार, उड़ीसा व दिल्ली में हॉकी एसोसिएशन बनी। भारत ने 1928 से ओलम्पिक खेलों भी भाग लेना शुरू किया तथा एस्टरडम के ओलम्पिक में भारत ने आस्ट्रिया, बेल्जियम, डेनमार्क, स्विटजरलैण्ड व हॉलैण्ड को पराजित कर स्वर्ण पदक प्राप्त करने का श्रेय प्राप्त किया। इसके साथ अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी में भारत का सशक्त प्रदर्शन प्रारंभ हुआ तभी से भारत में हॉकी को राष्ट्रीय खेल घोषित किया गया।

इसी प्रकार सन् 1967 ई0 में महिला हॉकी का आयोजन हुआ। इसमें पाँच टेस्ट मैचों की श्रृंखला आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में भारतीय महिलाओं ने पाँचों मैच जीत लिए। महिलाओं में प्रथम एशियाई चैम्पियनशिप का आयोजन सन् 1968 में दिल्ली (भारत) में हुआ। इसमें जापान एवं युगांडा से हार गया।

2002 में सम्पन्न 10वें विश्व हॉकी में भारत का स्थान दसवां, वर्ष 1978 में कुआलालम्पुर में सम्पन्न तीसरे विश्व हॉकी टूर्नामेंट में भारत को विजय मिली थी।

अध्ययन उद्देश्य :–

प्रस्तुत लेख का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय खेल के स्तर की विवेचना करना और इसके स्तर को सुधार हेतु सुझाव देना है।

भारतीय हॉकी टीम के अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन की विवेचना :

हालांकि हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है किन्तु इसका अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन धीरे–धीरे गिरता जा रहा है, जो इस प्रकार है :

सरणी : 1

भारतीय हॉकी टीम का अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन

राष्ट्रीय	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
ओलम्पिक	8	1	2	11
विश्व कप	1	1	1	3
एशियन कप	2	4	1	7
एशियन खेल	2	9	1	1

सारणी एक में भारत द्वारा विभिन्न प्रकार के आयोजन जैसे ओलम्पिक, विश्व कप, एशियन कप तथा एशियन खेलों की उपलब्धियों की विवेचना की गई है जिससे स्पष्ट है कि ओलम्पिक तथा एशियन खेलों में भारतीय हॉकी टीम का प्रदर्शन ठीक रहा है जबकि विश्व कप में भारत मात्र 3 बार ही पदक हासिल कर पाया जबकि एशियन कप में मात्र दो स्वर्ण पदकों के साथ कुल 7 पदक ही अब तक प्राप्त किये हैं। ओलम्पिक में भारत 8 बार स्वर्ण पदक, 1 बार रजत पदक तथा 2 बार कांस्य पदक के साथ कुल 11 पदक प्राप्त कर चुका है। साथ ही एशियन खेलों में भी 2 स्वर्ण पदकों के साथ कुल 12 पदक हासिल कर चुका है।

किन्तु आए दिन भारत का हॉकी में प्रदर्शन काफी निराशाजनक होता जा रहा है। जिसमें सुधार की नितांत आवश्यकता है।

सारणी : 2

कॉमनवेल्थ खेल विवेचना (1998–2006)

वर्ष	स्थान	जगह का नाम
1998	चौथा स्थान	–
2002	भाग नहीं लिया	–
2006	पाँचवा स्थान	मेलबोर्न
2010	दूसरा स्थान	नई दिल्ली

सन् 1998–2010 तक भारत की कॉमनवेल्थ की उपलब्धियों का अध्ययन करने पर यह परिणाम उभर कर आया कि 1998–2006 तक भारत का हॉकी में काफी निराशाजनक प्रदर्शन रहा है क्योंकि 1998–2006 तक कोई पदक प्राप्त नहीं किया तथा 2010 में कॉमनवेल्थ में भारत ने रजत पदक प्राप्त किया जिसमें लगता है कि उसकी स्थिति में काफी सुधार हुआ।

सारणी – 3

ओलम्पिक खेलों में भारतीय हॉकी का प्रदर्शन

वर्ष	स्वर्ण	रजत	कांस्य	प्राप्त रैंक	स्थान
1996	—	—	—	8	अटलांटा
2000	—	—	—	7	सिडनी
2004	—	—	—	7	एथेंस
2008	—	—	—	क्वालीफाई नहीं किया।	बीजिंग

सारणी–3 में भारतीय हॉकी टीम के 1996 से 2008 तक ओलम्पिक प्रदर्शन का विवरण प्रस्तुत किया गया है जिसमें भारतीय हॉकी टीम का प्रदर्शन इतना खराब रहा है कि वह वह अंतिम 5 में जगह बनाने में भी नाकामयाब रहा है और 2008 में वह क्वालीफाई करने में भी असमर्थ रहा है। इससे स्पष्ट है कि 1926–1956 तक लगातार स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। अतः राष्ट्रीय खेल के स्तर में बेहतर सुधार की जरूरत है।

सारणी– 4

विश्व कप में भारतीय हॉकी टीम का प्रदर्शन

वर्ष	स्थान	भारत का रैंक
1998	यूट्रिरण्ट	9वाँ रैंक
2002	क्वालालम्पुर	10वाँ रैंक
2006	मोशग्लड बाख	9वाँ रैंक
2010	नई दिल्ली	8 वाँ रैंक

सारणी– 4 में भारतीय हॉकी का विश्व कप में प्रदर्शन का विवरण दिया गया है जिसमें भी भारत का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। वर्ष 1986 में भारत को 12वाँ स्थान प्राप्त हुआ वहीं 1990 में 10वाँ स्थान था जबकि 1994 में पाँचवा स्थान रहा जबकि 1998 में 9वाँ रैंक रहा, 2002 में कवालालम्पुर में 10वें स्थान पर रहा और 2006 में 9वाँ स्थान रहा वहीं 2010 में 8वें स्थान पर रहा है।

सारणी– 5

एशियन कप में भारतीय हॉकी टीम का प्रदर्शन

वर्ष	स्वर्ण	रजत	कांस्य	स्थान
1998	मिला	–	–	बेंकान
2002	–	मिला	–	बुसान
2006	–	–	–	दोहा
2010	–	–	–	होन्जुहु

सारणी– 5 में सन् 1998 से 2010 एशियन खेलों में भारतीय हॉकी के विवरण से स्पष्ट है कि 1998 में भारतीय हॉकी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया जबकि सन् 2002 में रजत पदक प्राप्त किया और उसके बाद ना तो 2006 में तथा न ही 2010 में कोई पदक प्राप्त हुआ जिससे भारत का प्रदर्शन खराब होता जा रहा है।

सारणी– 6

एशिया कप में भारत की उपलब्धि

वर्ष	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कांस्य
1999	–	–	मिला	क्वालालम्पुर
2003	मिला	–	–	बुवानापुर
2007	मिला	–	–	बेल्जियम

सारणी–6 में एशियन कप में भारत की उपलब्धियाँ काफी सराहनीय रही हैं। सन् 1999 में भारत को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा जबकि 2003 एवं 2006 में दोनों ही वर्षों में भारत ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इस प्रकार भारत का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।

सारणी– 7

अजलाहन शाह हॉकी कप में भारत का प्रदर्शन

वर्ष	स्वर्ण	रजत	कांस्य
1998	–	–	–
1999	–	–	–
2000	–	–	मिला
2001	–	–	–
2003	–	–	–
2004	–	–	–
2005	–	–	–
2006	–	–	–
2007	–	–	मिला
2008	–	मिला	–

उपर्युक्त तालिका में भारत का अजलाहन शाह हॉकी कप का प्रदर्शन दिया गया है जिसमें भी भारत का प्रदर्शन खराब रहा तथा सन् 2000 तथा 2007 में कांस्य पदक प्राप्त किया और एकमात्र रजत पदक 2008 में प्राप्त किया।

भारतीय महिला हॉकी टीम का प्रदर्शन :–

महिला खिलाड़ियों की हॉकी में उपलब्धियों की विवेचना की जाए तो भारतीय महिला हॉकी की शुरूआत 1967 से हुई जबकि 1968 में दिल्ली महिला एशियन हॉकी चैम्पियनशिप का आयोजन हुआ जिसमें भारत, जापान व युगान्डा से हार गया। भारतीय महिला हॉकी एक उभरता खेल है और भारतीय हॉकी टीम का प्रदर्शन आए दिन सुधर रहा है किन्तु आज इसे बहुत अधिक सहारा देने की आवश्यकता है ताकि महिला टीम के प्रदर्शन में सुधार हो सके। भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ियों क ापदक विवरण इस प्रकार है :

सारणी– 8

भारतीय महिला हॉकी टीम की उपलब्धियाँ

स्तर	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
राष्ट्रमण्डल खेल	–	–	1	1
चैम्पियन चैलेंज ट्राफी	1	1	–	2
एशियन खेल	1	1	2	4
एशिया कप	2	1	1	4
अफ्रो एशियन खेल	1	–	–	1

उपर्युक्त सारणी में भारतीय महिला हॉकी टीम का विवरण है जिससे स्पष्ट है कि महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन एशियन खेल एवं एशिया कप में ठीक रहा है किन्तु चैम्पियन

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 05 Issue 02
January 2018

ट्रॉफी में मात्र एक पदक एवं वर्ल्ड कप में अब तक कोई पदक हासिल नहीं हुआ है। इससे स्पष्ट है कि महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार की अति आवश्यकता है। 18वें राष्ट्रमण्डल (2006) आस्ट्रेलिया के पश्चात् द्वितीय स्थान पर रहकर रजत पदक प्राप्त किया किन्तु महिलाओं की हॉकी में ओवर ऑल प्रदर्शन खास नहीं है।

ओलम्पिक में भारतीय हॉकी का प्रदर्शन :

2008 में भारतीय हॉकी टीम ने चौथा स्थान प्राप्त किया जबकि रानी देवी ने युवा खिलाड़ी का अवार्ड प्राप्त किया जबकि 2000 में 10वाँ रैंक प्राप्त किया था और 1980 में मास्कोव में चौथा स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार का भारतीय महिला हॉकी टीम ने प्रदर्शन किया है।

वर्ल्ड कप में महिला हॉकी टीम का प्रदर्शन :

महिला हॉकी टीम का कोई विशेष प्रदर्शन नहीं रहा। 2006 में 11वाँ स्थान प्राप्त किया। 2001 में 7वाँ स्थान प्राप्त किया जबकि 1998 में 12वाँ स्थान प्राप्त किया। 1974 में चौथा स्थान प्राप्त किया। जिससे स्पष्ट है कि वर्ल्ड कप में भी भारतीय टीम का कोई श्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं रहा है।

इस प्रकार उपर्युक्त विवरण से एक महत्वपूर्ण तथ्य उभर कर सामने आता है कि आज हमारा राष्ट्रीय खेल काफी दयनीय स्थिति में पहँच चुका है। इसमें सुधार की अत्यंत आवश्यकता है ताकि राष्ट्रीय खेल का गौरव बना रहे।

महत्वपूर्ण सुझाव :

राष्ट्रीय खेल के स्तर में सुधार हेतु कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये जा सकते हैं–

1. खेल की गुणवत्ता हेतु खिलाड़ी हित को ध्यान में रखकर सुझाव देना।
2. निपुण कोच एवं उत्तम खेल सुविधाओं का विस्तार किया जाये।
3. खेल प्रशिक्षण संस्थानों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
4. हॉकी को भी क्रिकेट की तरह लोकप्रिय बनाने में मीडिया जगत को भी समर्थन प्रदान करना चाहिए।

सन्दर्भ–ग्रंथ–सूचि :

1. एस. सी. मिश्रा, हैल्थ एण्ड फिलिकल एजुकेशन, स्पोर्टश पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2009
2. एस. एस. राय व रविन्द्र राय, मार्डन लिविंग हैल्थ एण्ड फिटनेस, आर्थर प्रैस, दिल्ली, 2001
3. हनुमन्त आर. अफैक्ट ऑफ योग व्यायाम विज्ञान, 2014
4. http//hi.wikipediaor2
5. http//hindi.webdumia.com/402asam
6. पतंजलि योगासन–2008